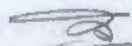


उत्तराखण्ड शासन
कार्मिक अनुभाग-2
संख्या- 44 /XXX(2)/2013
देहरादून: 10 जनवरी, 2013

अधिसूचना संख्या 44 /XXX(2)/2013-3 (2)/2010, दिनांक 10 जनवरी, 2013 द्वारा प्रख्यापित "उत्तराखण्ड राज्याधीन सेवाओं के अन्तर्गत लिपिक वर्गीय संवर्ग के पदों पर पदोन्नति हेतु पात्रता अवधि का निर्धारण (प्रथम संशोधन) नियमावली, 2013" की प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री रुड़की (हरिद्वार) को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कृपया अधिसूचना को असाधारण गजट, विधायी परिशिष्ट भाग-4 में मुद्रित करा कर इसकी 100 प्रतियाँ कार्मिक अनुभाग-2 को यथा शीघ्र उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
 2. समस्त प्रमुख सचिव/ सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
 3. प्रमुख सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
 4. प्रमुख सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
 5. प्रमुख सचिव, विधान सभा, उत्तराखण्ड।
 6. महाधिवक्ता, उत्तराखण्ड, नैनीताल।
 7. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
 8. महानिदेशक, प्रशासन अकादमी, नैनीताल।
 9. सचिव, उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार।
 10. मण्डलायुक्त, गढ़वाल एवं कूमायूँ मण्डल।
 11. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
 12. समस्त विभागाध्यक्ष/प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष उत्तराखण्ड।
 13. सचिवालय के समस्त अनुभाग।
 - ✓ 14. अधिशासी निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
 15. महानिदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- संलग्नक:-यथोक्त।

आज्ञा से,

(रमेश चन्द्र लोहनी)
अपर सचिव।

उत्तराखण्ड शासन
कार्मिक अनुभाग-2
संख्या-44/XXX(2)/2013-3(2)2010
देहरादून: 10 जनवरी, 2013

अधिसूचना
प्रकीर्ण

राज्यपाल, "भारत का संविधान" के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके, "उत्तराखण्ड राज्याधीन सेवाओं के अन्तर्गत लिपिक वर्गीय संवर्ग के पदों पर पदोन्नति हेतु पात्रता अवधि का निर्धारण नियमावली, 2011" में संशोधन करने के उद्देश्य से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

**उत्तराखण्ड राज्याधीन सेवाओं के अन्तर्गत लिपिक वर्गीय संवर्ग के पदों पर पदोन्नति हेतु
पात्रता अवधि का निर्धारण (प्रथम संशोधन) नियमावली, 2013**

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

1- (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम 'उत्तराखण्ड राज्याधीन सेवाओं के अन्तर्गत लिपिक वर्गीय संवर्ग के पदों पर पदोन्नति हेतु पात्रता अवधि का निर्धारण (प्रथम संशोधन) नियमावली, 2013' है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

नियम 4(3) का संशोधन

2. उत्तराखण्ड राज्याधीन सेवाओं के अन्तर्गत लिपिक वर्गीय संवर्ग के पदों पर पदोन्नति हेतु पात्रता अवधि का निर्धारण नियमावली, 2011 के नियम 4 के उपनियम (3) में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान उप नियम के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया उप नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्-

स्तम्भ-1
विद्यमान नियम

(3)- मुख्य सहायक- मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे प्रवर सहायक, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में न्यूनतम 05 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो तथा अधीनस्थ पदों पर कम से कम 11 वर्ष की सेवा पूर्ण की हो, में से अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।

स्तम्भ-2
एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

(3)- मुख्य सहायक- मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे प्रवर सहायक, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में न्यूनतम 03 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो तथा अधीनस्थ पदों पर कम से कम 10 वर्ष की सेवा पूर्ण की हो, में से अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुए ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।

आज्ञा से,
66
(सुरेन्द्र सिंह रावत),
सचिव।